भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1636
उत्तर देने की तारीख-31/07/2023

जिला स्तर पर शैक्षिक निष्पादन में गिरावट

†1636. श्री बी. मणिक्कम टैगोर:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इस महामारी के कारण देश के कई जिलों के शैक्षिक निष्पादन में गिरावट आई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि जिलों के लिए निष्पादन ग्रेडिंग सूचकांक (पीजीआई-डी) से राज्य शिक्षा विभागों को जिला स्तर पर कमियों का पता लगाने में मदद मिलेगी;

(घ) क्या यह सच है कि 2020-21 और 2021-22 के लिए पीजीआई-डी की रिपोर्ट के अनुसार किसी भी जिले ने शीर्ष दो ग्रेड प्राप्त नहीं किए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (ङ): स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओईएसईएल), शिक्षा मंत्रालय ने स्कूल शिक्षा में जिलों के प्रदर्शन को मापने के लिए वर्ष 2020-21 और 2021-22 में जिले के लिए प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक (पीजीआई-डी) पर आधारित 83-संकेतको को विकसित किया है। प्रत्येक जिले द्वारा प्राप्त स्कोर को फिर 10 ग्रेडों में वर्गीकृत किया जाता है, अर्थात् दक्ष, उत्कर्ष, अतिम-उत्तम, उत्तम, प्रचेस्टा -1, प्रचेस्टा -2, प्रचेस्टा -3, आकांशी -1, आकांशी -2 और आकांशी -3।

पीजीआई-डी का उद्देश्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को अलग-अलग स्तर पर कमियों को दूर करने और कार्यकलाप के लिए क्षेत्रों को प्राथमिकता देने में मदद करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्कूल शिक्षा प्रणाली प्रत्येक स्तर पर मजबूत हो सके। यह स्कूल शिक्षा की प्रगति की अंतर-राज्य तुलना में जानकारी भी प्रदान करता है जो जिला स्तर पर आवश्यक कार्यकलाप का आकलन करने और स्कूल शिक्षा में समग्र रूप से जिले के समग्र विकास के लिए जहां भी आवश्यक हो, समय पर सुधार करने के लिए उपयोगी है।

वर्ष 2021-22 के लिए पीजीआई-डी के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के जिलों के ग्रेड को वर्ष 2020-21 और 2021-22 की पीजीआई-डी की संयुक्त रिपोर्ट के अनुलग्नक-II में है और इसे https://pgi.udiseplus.gov.in/PGID-2020-21_2021-22.pdf लिंक पर देखा जा सकता है।

******